

सम्पादकीय

आपतिजनक टिप्पणी



कलकत्ता हाईकोर्ट के एक फैसले का स्वतः: संजान लेते हुए सुग्रीव कोर्ट ने हाईकोर्ट द्वारा एक केस में अनर्णल टिप्पणियों को लेकर विशेष करते हुए साफ़ कहा है कि अनावश्यक टिप्पणियों से हाईकोर्ट के बचाना चाहिए। जिन बातों का कोई औचक नहीं उन पर टिप्पणी का बया तुक है। टिप्पणी में कई बातें अनावश्यक हैं। इस फैसले को लेकर कलकत्ता सरकार ने याचिका भी दायर की है। चूंकि यह मसला बहुत संवेदनशील है इसे लेकर जो निर्णय जीवं अदालत देखी बाहे भविष्य के लिये मार्गदर्शन बनेगा। हाईकोर्ट के निर्णय में सत्तात्मक सत्ता जो औरतों का हर तरह से शोषण करती आई है उसी के पक्ष में बकाया रहती रही।

जिसके कारण यह कायम की जारी है वह महिला का जबरदस्ती आपहण कर महिला से जबरन सारी व पास्को ऐक्ट में सजायापता की सुनवाई की है। हाईकोर्ट ने कहा किसीरी का कर्तव्य है शारीरिक अखंडता और आमूल्य की रक्षा करें। सुग्रीवकोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश की भर्तव्यना करते हुए बिल्कुल सही कहा है कि बेहद अपतिजनक और पूरी तरह से गैर जरूरी है। अगर यह बात शक्षण के लिये मान भी लिया जाय तो यह मानदंड मर्ते के लिये बयों गैर जरूरी है। महिला चरित्र का ऐसा विश्लेषण अपर्ण है।

अदालतें पितृसत्तात्मक सत्ता के विशेष में स्थिरों के पक्ष में न्यायपूर्ण बाबरी का स्वर दिलाने के लिये कई कानून बनाये हैं और बनानी जारी रही है। समय-समय पर महिलाओं के पक्ष में कानून बनाने के लिये अदालतें सकारों को हिदयत देती रही है। इस दिशा में कानून बनते भी जारी रहे हैं। यौन इच्छाओं यौनों उमाद पर काबू रखना तो हर सम्य नागरिक का कर्तव्य है। इसमें औरत और मर्द का विभेद सरासर अन्यथा है। असें से चली आ रही प्रित्यसत्तात्मक नियमों की प्रतीक्षा लिया कब से सही आ रही है। बहुत सी स्त्री प्रतिसत्तात्मक पर्दे के अन्दर लैंगिक भेदभाव मर जाती है। जिससे समाज, देश को बड़ा प्रदान किया गया है। दैर्घ्य स्वच्छता के अड़ में पुरुषों द्वारा स्त्रियों पर अत्याचार और शोषण हमेशा थोका गया है। हालांकि अब स्थिति काफ़ी सुधरी है पर अभी स्थितियां बदलने की बहुत गुजारी हैं।

तज्ज्वल होता है जिस देश में नायिं पूज्य मानी जाती थी, वहां स्थिरों को इतनी लम्जी पितृसत्तात्मक सत्ता का दन्ड भोगा पड़ता है। सुग्रीव कोर्ट का यह सजान निर्णय रूप से अदलतों, सरकारों समाज के लिये दिशासूचक का काम करेगा। ऐपें में रोज, आहरण, बलाकार शारीरिक शोषण और हल्का की खबरों आती रही है। किसी भी दिन का पेपर इससे अद्वृत्ता नहीं रहता है। अदलतों और सरकारों की और सख्ती दिखाने की जरूरत अभी भी महसूस होती रहती है।

पदम भूषण नवाब मीर अक़बर अली खाँ

मीर साहब को 1961 में पदम भूषण एवं 1989 में पदम विभूषण के सम्मान से नवाजा जा चुका है। वह सन् 1972 से 1974 तक 30प्र० के राज्यपाल रहे तथा 25 अक्टूबर को उड़ीसा के राज्यपाल बनाये गये और 1976 तक वह उड़ीसा में पदाधिकरण रहे। इस प्रकार दो राज्यों के राज्यपाल रहने का सौभाय्य भी उनको प्राप्त रहा। मीर साहब लम्जे समय तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। मूलतः वह एक कांग्रेसी थे। जब मीर साहब वीमार पड़े तो उन्हें एम्बूलेन्स द्वारा एयरकेंट एयरफिल्ट द्वाका में भर्ती कराया गया था। उनको उड़ीसा के राज्यपाल पहुंचने से पहले ही 18 जून 2009 को, प्रातः10:30 बजे एम्बुलेन्स में ही दम तोड़ दिया।

मीर साहब का जन्म 16 अगस्त में मैक अथर्फ फ़उद्देशन की 1962 को राजस्थान के एक गांव फ़ेलोशिप प्रदान की गयी। मीर साहब बागासर के एक मुस्लिम परिवार में को 1961 में पदम भूषण एवं हुआ था। उनका 1989 में पदम विभूषण के सम्मान से नवाजा जा चुका है। वह सन् 1972 से 1974 तक 30प्र० के राज्यपाल रहे तथा 25 अक्टूबर को उड़ीसा के राज्यपाल रहने के पक्ष में अपनी कांग्रेसी थे। जब मीर साहब लम्जे तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। मूलतः वह एक कांग्रेसी थे। जब मीर साहब वीमार पड़े तो उन्हें एम्बूलेन्स द्वारा एयरकेंट एयरफिल्ट द्वाका में भर्ती कराया गया था। उनको उड़ीसा के राज्यपाल पहुंचने से पहले ही 18 जून 2009 को, भारतीय समयनुसार प्रातः10:30 बजे एम्बूलेन्स में ही दम तोड़ दिया। इस प्रकार दो राज्यों के राज्यपाल रहने का सौभाय्य भी उनको प्राप्त रहा। मीर साहब लम्जे समय तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। मूलतः वह एक कांग्रेसी थे। जब मीर साहब वीमार पड़े तो उन्हें एम्बूलेन्स द्वारा एयरकेंट एयरफिल्ट द्वाका में भर्ती कराया गया था। उनको उड़ीसा के राज्यपाल पहुंचने से पहले ही 18 जून 2009 को, भारतीय समयनुसार प्रातः10:30 बजे एम्बूलेन्स में ही दम तोड़ दिया। इस प्रकार दो राज्यों के राज्यपाल रहने का सौभाय्य भी उनको प्राप्त रहा। मीर साहब लम्जे समय तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। मूलतः वह एक कांग्रेसी थे। जब मीर साहब वीमार पड़े तो उन्हें एम्बूलेन्स द्वारा एयरकेंट एयरफिल्ट द्वाका में भर्ती कराया गया था। उनको उड़ीसा के राज्यपाल पहुंचने से पहले ही 18 जून 2009 को, भारतीय समयनुसार प्रातः10:30 बजे एम्बूलेन्स में ही दम तोड़ दिया। इस प्रकार दो राज्यों के राज्यपाल रहने का सौभाय्य भी उनको प्राप्त रहा। मीर साहब लम्जे समय तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। मूलतः वह एक कांग्रेसी थे। जब मीर साहब वीमार पड़े तो उन्हें एम्बूलेन्स द्वारा एयरकेंट एयरफिल्ट द्वाका में भर्ती कराया गया था। उनको उड़ीसा के राज्यपाल पहुंचने से पहले ही 18 जून 2009 को, भारतीय समयनुसार प्रातः10:30 बजे एम्बूलेन्स में ही दम तोड़ दिया। इस प्रकार दो राज्यों के राज्यपाल रहने का सौभाय्य भी उनको प्राप्त रहा। मीर साहब लम्जे समय तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। मूलतः वह एक कांग्रेसी थे। जब मीर साहब वीमार पड़े तो उन्हें एम्बूलेन्स द्वारा एयरकेंट एयरफिल्ट द्वाका में भर्ती कराया गया था। उनको उड़ीसा के राज्यपाल पहुंचने से पहले ही 18 जून 2009 को, भारतीय समयनुसार प्रातः10:30 बजे एम्बूलेन्स में ही दम तोड़ दिया। इस प्रकार दो राज्यों के राज्यपाल रहने का सौभाय्य भी उनको प्राप्त रहा। मीर साहब लम्जे समय तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। मूलतः वह एक कांग्रेसी थे। जब मीर साहब वीमार पड़े तो उन्हें एम्बूलेन्स द्वारा एयरकेंट एयरफिल्ट द्वाका में भर्ती कराया गया था। उनको उड़ीसा के राज्यपाल पहुंचने से पहले ही 18 जून 2009 को, भारतीय समयनुसार प्रातः10:30 बजे एम्बूलेन्स में ही दम तोड़ दिया। इस प्रकार दो राज्यों के राज्यपाल रहने का सौभाय्य भी उनको प्राप्त रहा। मीर साहब लम्जे समय तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। मूलतः वह एक कांग्रेसी थे। जब मीर साहब वीमार पड़े तो उन्हें एम्बूलेन्स द्वारा एयरकेंट एयरफिल्ट द्वाका में भर्ती कराया गया था। उनको उड़ीसा के राज्यपाल पहुंचने से पहले ही 18 जून 2009 को, भारतीय समयनुसार प्रातः10:30 बजे एम्बूलेन्स में ही दम तोड़ दिया। इस प्रकार दो राज्यों के राज्यपाल रहने का सौभाय्य भी उनको प्राप्त रहा। मीर साहब लम्जे समय तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। मूलतः वह एक कांग्रेसी थे। जब मीर साहब वीमार पड़े तो उन्हें एम्बूलेन्स द्वारा एयरकेंट एयरफिल्ट द्वाका में भर्ती कराया गया था। उनको उड़ीसा के राज्यपाल पहुंचने से पहले ही 18 जून 2009 को, भारतीय समयनुसार प्रातः10:30 बजे एम्बूलेन्स में ही दम तोड़ दिया। इस प्रकार दो राज्यों के राज्यपाल रहने का सौभाय्य भी उनको प्राप्त रहा। मीर साहब लम्जे समय तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। मूलतः वह एक कांग्रेसी थे। जब मीर साहब वीमार पड़े तो उन्हें एम्बूलेन्स द्वारा एयरकेंट एयरफिल्ट द्वाका में भर्ती कराया गया था। उनको उड़ीसा के राज्यपाल पहुंचने से पहले ही 18 जून 2009 को, भारतीय समयनुसार प्रातः10:30 बजे एम्बूलेन्स में ही दम तोड़ दिया। इस प्रकार दो राज्यों के राज्यपाल रहने का सौभाय्य भी उनको प्राप्त रहा। मीर साहब लम्जे समय तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। मूलतः वह एक कांग्रेसी थे। जब मीर साहब वीमार पड़े तो उन्हें एम्बूलेन्स द्वारा एयरकेंट एयरफिल्ट द्वाका में भर्ती कराया गया था। उनको उड़ीसा के राज्यपाल पहुंचने से पहले ही 18 जून 2009 को, भारतीय समयनुसार प्रातः10:30 बजे एम्बूलेन्स में ही दम तोड़ दिया। इस प्रकार दो राज्यों के राज्यपाल रहने का सौभाय्य भी उनको प्राप्त रहा। मीर साहब लम्जे समय तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। मूलतः वह एक कांग्रेसी थे। जब मीर साहब वीमार पड़े तो उन्हें एम्बूलेन्स द्वारा एयरकेंट एयरफिल्ट द्वाका में भर्ती कराया गया था। उनको उड़ीसा के राज्यपाल पहुंचने से पहले ही 18 जून 2009 को, भारतीय समयनुसार प्रातः10:30 बजे एम्बूलेन्स में ही दम तोड़ दिया। इस प्रकार दो राज्यों के राज्यपाल रहने का सौभाय्य भी उनको प्राप्त रहा। मीर साहब लम्जे समय तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। मूलतः वह एक कांग्रेसी थे। जब मीर साहब वीमार पड़े तो उन्हें एम्बूलेन्स द्वारा एयरकेंट एयरफिल्ट द्वाका में भर्ती कराया गया था। उनको उड़ीसा के राज्यपाल पहुंचने से पहले ही 18 जून 2009 को, भारतीय समयनुसार प्रातः10:30 बजे एम्बूलेन्स में ही दम तोड़ दिया। इस प्रकार दो राज्यों के राज्यपाल रहने का सौभाय्य भी उनको प्राप्त रहा। मीर साहब लम्जे समय तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। मूलतः वह एक कांग्रेसी थे। जब मीर साहब वीमार पड़े तो उन्हें एम्बूलेन्स द्वारा एयरकेंट एयरफिल्ट द्वाका में भर्ती कराया गया था। उनको उड़ीसा के राज्यपाल पहुंचने से पहले ही 18 जून 2009 को, भारतीय समयनुसार प्रातः10:30 बजे एम

शहद वासियों को 21 दिन और निलेगा महोत्सव मेले का आनंद

■ एक माह तक चलें इटावा महोत्सव के सांस्कृतिक समारोह का हुआ समापन

बहाज अंती निहाल

इटावा। इटावा की सांस्कृतिक विरासत का 113 वर्ष पुराना गवाह जिले का वार्षिक उत्सव बन चुके इटावा महोत्सव का एक माह तक चले आयोजन के बाद सोमवार को विधिवत समापन किया गया। प्रदर्शनी समिति के अध्यक्ष व डीएम अवार्नीश राय ने कार्यक्रमों के समापन के साथ सम्मान समारोह के बीच प्रदर्शनी मेले को 21 दिन और 30 जनवरी तक बढ़ावे ने की घोषणा की। देर शाम आयोजित हुए समापन समारोह का शुभारंभ डीएम अवार्नीश राय, एसएसपी संजय कुमार वर्मा समेत प्रदर्शनी समिति के विशिष्ट सदस्यों



व जनरल सेक्रेटरी एसडीएम सदर विक्रम सिंह राय की मौजूदगी में मास्टर्स्ट्रीट के चिन्ह पर मार्याण्डन के दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में प्रदर्शनी के विशिष्ट कर्मियों के बिरुद सदस्यों,

अंतीत नारायण चतुर्वेदी ने महोत्सव विवाह गोत्र, विश्वामीर नाथ भट्टेल व रैनक इटावी ने अपने गोत्र व गजलों के जरिए महोत्सव की विवाह का वर्णन किया। प्रदर्शनी समिति के प्रदर्शनी गौर ने सरस्वती बैद्यना,

कार्यक्रम में यह लोग रहे मौजूद
एडीएम अधिकारी रंजन श्रीवास्तव, एसपी सिटी अभ्यास नाथ त्रिपाठी, एसटीएम कोशल कुमार वर्मा, सीओ सिटी अग्रिम कुमार सिंह, तहसीलदार सदर जयवर्काश सिंह, नुमाइश कार्यकारिणी सदस्य गुलमुख सिंह अंगोदा, राजकिशोर वाजपेयी, विश्व चंद अग्रवाल, विजय नारायण सिंहन, प्रेम शंकर शर्मा, ठेंडे लूप किशोर अंग्रेवाल, नुमाइश कार्यालय के लिए शिवचरण राठोर, कमलेश कुमार, आनंद कुमार, रघुराज सिंह, महेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

अध्यक्ष डीएम अवार्नीश राय ने कहा कि इटावा महोत्सव अपने आप में अपनी सांस्कृतिक समृद्धि के लिए पहचाना जाता है। यही कारण है कि इस महोत्सव को देश के नामी महोत्सव में शामिल किया गया है उहोने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से न सिर्फ जिले को एक सांस्कृतिक धरोहर के रूप में बढ़ावा दिया जाएगा।

सौभाग्य मिला हुआ है बल्कि यहाँ के लोगों के लिए भी यह लोक पर्व है। इसमें सभागी होना इस बारा का धोतक है कि इटावा साहित्यिक और सांस्कृतिक रूप से काफी समृद्ध है। उहोने पूरे आयोजन के लिए इटावावासियों को भी बधाई दी। प्रदर्शनी समिति के जनरल सेक्रेटरी व प्रदर्शनी समिति के संयोजक, प्रयोजक, कार्यक्रमों के संयोजक, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभागिता व आयोजन में शामिल होने के लिए भी बधाई दी। समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के संयोजक, प्रयोजक, कार्यक्रमों के अधिकारियों, सुधार, स्वच्छता आदि में सहभागी रहे कर्मचारियों को भी समानित किया गया। इसके अलावा सभी ठेकेदार, कुछ प्रमुख दुकानदारों, नुमाइश कार्यकारिणी कायालय के सभी कर्मचारियों को भी समानित किया गया। कार्यक्रम का विभिन्न अधिकारियों, सुधार, स्वच्छता आदि में सहभागी रहे कर्मचारियों को भी समानित किया गया।

इटावा की तरफ प्रदर्शनी का विवरण दिया गया।

सांकेतिक समाचार

जिला उपाध्यक्ष सिंगरेणी का सपाईयों ने किया स्वागत



इटावा, अवधनामा ब्लूरो। सिंगरेणी यादव बने समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष, पार्टी कार्यक्रमों में हृषि की लहर समाजवादी पार्टी के नव मोनीत जिला उपाध्यक्ष सिंगरेणी यादव का जिला पंचायत में जोरदार स्वागत किया गया, इस अवसर पर अधिषेक यादव अध्यक्ष जिला पंचायत, प्रदीप शाक्य बबलू, जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी, आर्मन, वीरभान सिंह भद्रेरिया महासचिव, के के यादव, प्रवीण कुशवाहा, सुमित यादव, राजीव यादव, रामवीर यादव, विक्री गुरु अनवर दुर्गा, अवधनामा कुशवाहा, कमलेश कुमार, आनंद कुमार, रघुराज सिंह, महेंद्र कुमार आदि ने बधाई दी।

सातरंगी आसामान के साथ दिखा समापन का आतिशबाजी अंदाज़

इटावा, अवधनामा ब्लूरो। इटावा महोत्सव के समापन समारोह में बुद्धा पार्क में अतिशबाजी का आयोजन किया गया और सतरंगी अतिशबाजी के बीच डीएम, एसएसपी, एसटीएम, जनरल सेक्रेटरी समेत तजमहल लाल किले की प्रतिष्ठिति और सतरंगी इटावा जैसी नेतृत्व किया गया। अतिशबाजी का आतिशबाजी अंदाज़ के लिए अधिकारियों, सुधार, स्वच्छता आदि में सहभागी रहे कर्मचारियों को भी समानित किया गया। इसके अलावा सभी ठेकेदार, कुछ प्रमुख दुकानदारों, नुमाइश कार्यकारिणी कायालय के सभी कर्मचारियों को में बहाव लाल किले के लिए आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अधिकारियों, सुधार, स्वच्छता आदि में सहभागी रहे कर्मचारियों को भी समानित किया गया।

इटावा की तरफ एसपी प्रदर्शनी सदर विक्रम सिंह राय वाले ने कहा कि इटावा की संगत को निहाल किया गया।

कमेटी ने आप हुए शैक्षिक दल के सदस्यों का सारोपा व शाल ओढ़कर स्वागत किया। अकाल अंडेडी बर सहित शैक्षिक दल के गुराकूर सिंह ने बताया कि हामारी टीम में 15 लोग शामिल हैं, हम लोग गुलामी में बच्चों से कविता गायन, शब्द कीर्तन, सिख गुरुओं के इतिहास से संबंधित विचारकला, शब्द, गान, किंतु विक्रम से लिए शैक्षिक दल के बच्चों के लिए आयोजित किया गया।

प्रचार करने निकले अकाल अंडेडी बर सहित सदर विक्रम प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मेडल व प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

इटावा की तरफ एसपी प्रदर्शनी के लिए शैक्षिक दल के बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

प्रदर्शनी के लिए अधिकारियों, सुधार, स्वच्छता आदि में सहभागी रहे कर्मचारियों को भी समानित किया गया।

कमेटी ने आप हुए शैक्षिक दल के सदस्यों का सारोपा व शाल ओढ़कर स्वागत किया। अकाल अंडेडी बर सहित शैक्षिक दल के गुराकूर सिंह ने बताया कि हामारी टीम में 15 लोग शामिल हैं, हम लोग गुलामी में बच्चों से कविता गायन, शब्द कीर्तन, सिख गुरुओं के इतिहास के बच्चों के लिए आयोजित किया गया। शैक्षिक दल के बच्चों को गुराकूर सिंह ने बताया कि हामारे आयोजित करने वाले बच्चों को भी बधाई दी।

प्रदर्शनी के लिए उहोने इटावा की संगत को निहाल किया गया।

कमेटी ने आप हुए शैक्षिक दल के सदस्यों का सारोपा व शाल ओढ़कर स्वागत किया। अकाल अंडेडी बर सहित शैक्षिक दल के गुराकूर सिंह ने बताया कि हामारी टीम में 15 लोग शामिल हैं, हम लोग गुलामी में बच्चों से कविता गायन, शब्द कीर्तन, सिख गुरुओं के इतिहास के बच्चों के लिए आयोजित किया गया। शैक्षिक दल के बच्चों को गुराकूर सिंह ने बताया कि हामारे आयोजित करने वाले बच्चों को भी बधाई दी।

प्रदर्शनी के लिए उहोने इटावा की संगत को निहाल किया गया।

कमेटी ने आप हुए शैक्षिक दल के सदस्यों का सारोपा व शाल ओढ़कर स्वागत किया। अकाल अंडेडी बर सहित शैक्षिक दल के गुराकूर सिंह ने बताया कि हामारी टीम में 15 लोग शामिल हैं, हम लोग गुलामी में बच्चों से कविता गायन, शब्द कीर्तन, सिख गुरुओं के इतिहास के बच्चों के लिए आयोजित किया गया। शैक्षिक दल के बच्चों को गुराकूर सिंह ने बताया कि हामारे आयोजित करने वाले बच्चों को भी बधाई दी।

प्रदर्शनी के लिए उहोने इटावा की संगत को निहाल किया गया।

कमेटी ने आप हुए शैक्षिक दल के सदस्यों का सारोपा व शाल ओढ़कर स्वागत किया। अकाल अंडेडी बर सहित शैक्षिक दल के गुराकूर सिंह ने बताया कि हामारी टीम में 15 लोग शामिल हैं, हम लोग गुलामी में बच्चों से कविता गायन, शब्द कीर्तन, सिख गुरुओं के इतिहास के बच्चों के लिए आयोजित किया गया। शैक्षिक दल के बच्चों को गुराकूर सिंह ने बताया कि हामारे आयोजित करने वाले बच्चों को भी बधाई दी।

प्रदर्शनी के लिए उहोने इटावा की संगत को निहाल किया गया।

कमेटी ने आप हुए शैक्षिक दल के सदस्यों का सारोपा व शाल ओढ़कर स्वागत किया। अकाल अंडेडी बर सहित शैक्षिक दल के गुराकूर सिंह ने बताया कि हामारी टीम में 15 लोग शामिल हैं, हम लोग गुलामी में बच्चों से कविता गायन, शब्द कीर्तन, सिख गुरुओं के इतिहास के बच्चों के लिए आयोजित किया गया। शैक्षिक दल के बच्चों को गुराकूर सिंह ने बताया कि हामारे आयोजित करने वाले बच्चों को भी बधाई दी।

प्रदर्शनी के लिए उहोने इटावा की संगत को निहाल किया गया।

कमेटी ने आप हुए शैक्षिक दल के सदस्यों का सारोपा व शाल ओढ़कर स्वागत किया। अकाल अंडेडी बर सहित शैक्षिक दल के गुराकूर सिंह ने बताया कि हामारी टीम में 15 लोग शामिल हैं, हम लोग गुलामी में बच्चों से कविता गायन, शब्द कीर्तन, सिख गुरुओं के इतिहास के बच्चों के लिए आयोजित किया गया। शैक्षिक दल के बच्चों को गुराकूर सिंह ने बताया कि हामारे आयोजित करने वाले बच्चों को भी बधाई दी।

प्रदर्शनी के लिए उहोने इटावा की संगत को न

